स्क्यान कैके

पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज ओ पत्रिका पहे सेक्बी ।

थारू भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक

भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA

NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २३ अंक ३४७ वि.सं. २०८३ असार ३० गते मंगर थारु सम्वत (२६४९) [Tuesday 14 July 2026] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

प्रदेश सरकारसे ६२ प्रतिशत बजेट खर्च

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २९ असार । सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे चालु आर्थिक बरसमे विनियोजित बजेटके करिब ३८ प्रतिशत रकम खर्च करे नैसेकल ।

प्रदेश लेखा नियन्त्रक कार्यालयके अनुसार कुल ३३ अर्ब ४३ करोड २५ लाख ३३ हजार ४ सय रुपैयाँ बजेटमध्ये २० अर्ब ८३ करोड ९२ लाख ५१ हजार रुपैयाँ किल खर्च हुइल हो ।

कार्यालयके सूचना अधिकारी वलदेव कपाडीके अनुसार प्रदेश सरकारसे समग्रमे ६२.३३ प्रतिशत बजेट खर्च करले बा । वार्षिक बजेट अन्तर्गत १२ अर्ब ५९ करोड ३२ लाख रुपैयाँ खर्च हुइ नैसेकल हो ।

चालूओर ६८.२२ प्रतिशत ओ पुँजीगतओर ५८.३३ प्रतिशत बजेट कार्यान्वयन हुइल बा । प्रदेश सरकारके हालसमके कमजोर खर्चमध्ये इ एक हो ।

सरकारसे आर्थिक बरसके अन्तिम महिना असारमे ढेर रकम खर्च करल डेखगैल बा । असार महिनामे किल ९ अर्ब ६ करोड ३० लाख रुपैयाँ खर्च हुइल हो, जौन कुल वार्षिक खर्चके २७.१३ प्रतिशत हो । पुँजीगत खर्च ओर किल हेरेबर कुल खर्चके ३०.३३ प्रतिशत असारमे करल तथ्यांकसे डेखाइठ् ।

जेठ मसान्तसम प्रदेश सरकारके कुल खर्च ११ अर्ब ७७ करोड ६१ लाख रुपैयाँ रहे । उ बेलासम पुँजीगत खर्च ५ अर्ब ५५ करोड ५० लाख रुपैयाँ पुगल रहे ।

पुँजीगत ओर सरकारसे १९ अर्ब ८२ करोड ९६ लाख ८६ हजार रुपैयाँ बजेट विनियोजन करलमे ११ अर्ब ५६ करोड ८२ लाख रुपैयाँ किल खर्च हुइल बा । चालूओर १३ अर्ब ५९ करोड २८ लाख रुपैयाँ बजेटमध्ये ९ अर्ब २७ करोड २४ लाख रुपैयाँ खर्च हुइल बा ।

मन्त्रालयगत रूपमे हेरेबर सबसे ढेर बजेट पाइल भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालय फेन अपेक्षित खर्च करे नैसेकल । १५ अर्ब २८ करोड ४२ लाख रुपैयाँ बजेट पाइल मन्त्रालयसे करिब ६० प्रतिशत किल खर्च कैना सफल हुइल बा ।

भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालयसे ३ अर्ब २६ करोड रुपैयाँ बजेटमध्ये १ अर्ब ३४ करोड ६८ लाख रुपैयाँ खर्च करे नैसेकल । मन्त्रालयके कुल खर्च ५८.६९ प्रतिशतमे सीमित रहल ।

सामाजिक विकास मन्त्रालयसे ६ अर्ब ६२ करोड ३३ लाख रुपैयाँ बजेटमध्ये १ अर्ब ८८ करोड ४२ लाख रुपैयाँ खर्च करे नैसेकल । उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालयसे २ अर्ब २२ करोड ९ लाख रुपैयाँमध्ये ६३ करोड ३२ लाख ९५ हजार रुपैयाँ खर्च करे नैसेकल । इ मन्त्रालयके खर्च क्रमशः ७१।५५ प्रतिशत ओ ७१.४९ प्रतिशत रहल बा ।

सात मन्त्रालय, प्रदेश सभा ओ टमान आयोगमध्ये आन्तरिक मामिला तथा कानुन मन्त्रालयके खर्च सबसे कमजोर डेखल बा । ३४ करोड ६ लाख रुपैयाँ बजेट पाइल मन्त्रालयसे २३ करोड ५८ लाख ९६ हजार रुपैयाँ खर्च करे नैसेकल ।

ओस्टके, प्रदेश सरकारसे स्थानीय तहके लाग छुट्टयाइल ३ अर्ब ६३ करोड ९५ लाख रुपैयाँमध्ये ८६ करोड ८४ लाख ४० हजार रुपैयाँ खर्च हुइ नैसेकल ।

बेलौरीमे गोबरग्यास 'प्लान्ट' जडान

पहुरा समाचारदाता

कञ्चनपुर, २९ असार । स्वच्छ ऊर्जा प्रवर्द्धन कैना उद्देश्यसे बेलौरी नगरपालिकासे चालु आबमे २५० घरधुरीमे गोबरग्यास 'प्लान्ट' जडान करल बा ।

काठीसँगे एलपी ग्यासके खपत घटैनाके साथे वातावरण संरक्षण, स्वास्थ्य सुधारमे टेवा पुगाइक लाग गोबरग्याँस प्लान्ट जडान करल हो । नगर उपप्रमुख जोगराम चौधरीके अनुसार गोबरग्यास प्लान्ट जडानके लाग कूल लागतके १४ प्रतिशत रकम नगरपालिकासे, १३ दशमलव ६६ प्रतिशत लाभग्राही ओ वैकल्पिक ऊर्जा प्रवर्द्धन केन्द्रके ७६ प्रतिशत सहयोगमे व्यवस्थापन करल बा ।

अनुदान कार्यक्रमअन्तर्गत पशुपालन कैना किसानहे प्राथमिकतामे राखके गोबरग्यास प्लान्ट जडान करल हो । नगरपालिकासे उपलब्ध कराइल तथ्याङ्कअनुसार वडा नं १० मे ७०, वडा नं १ मे ३८, वडा नं ५ मे २८ र वडा नं ७ मे १९, वडा नं ४ मे ११, वडा नं ८ मे १०, वडा नं २ मे चार, वडा नं ३ मे एक, वडा नं ६ मे तीन, वडा नं ९ मे तीन गोरबग्याँस प्लान्ट जडान करल हो ।

गत वर्ष वडा नं ५ मे २८ गोबरग्याँस प्लान्ट जडान करल रहे । गोबरग्याँस प्लान्ट जडान करल कुछ किसान ओकरसँगे सौचालय फेन जडान करले बटै । सौचालय भर किसान अपने लगानीमे जडान करल उपप्रमुख चौधरीके कहाइ रहल बा ।

"गोबरग्यास खाना पकैना आवश्यक स्वच्छ इन्धन उपलब्ध करैना हुइल ओरसे बन्वासे काठी सङ्कलन कैना क्रममे कमी आइ", उहाँ कहलै, "इहीसे वन संरक्षणमे सहयोग पुग्नाके साथे महिला काठी सङ्कलनमे खर्चना समयके बचत हुइना, धुवाँरहित चुल्हामे खाना पकाइबर आँखी पक्ना, श्वासप्रश्वाससम्बन्धी समस्या तथा अन्य स्वास्थ्य जोखिमसमेत कमी हुइ ।"

गोबरग्यास प्लान्टसे निकरना जैविक मल रासायनिक मलके उत्कृष्ट विकल्पके रूपमे प्रयोग हुइना हुइल ओरसे तरकारी, फलफूल तथा खाद्यान्न उत्पादनमे समेत वृद्धि हुइना ओहकान कहाइ रहल बा ।

इहीसे माटीके उर्वराशक्ति कायम रख्ना, रासायनिक मलके प्रयोग घटैना तथा कृषि उत्पादन बढैना सहयोग पुगैना कृषि विकास शाखाके प्राविधिक हरिश सेठी बटैलै ।

"गोबरग्यास नवीकरणीय ओ वातावरणमैत्री ऊर्जा स्रोत हो", उहाँ कहलै, "इहीसे काठीके प्रयोग घटाके वन विनाश न्यूनीकरण कैनाके साथे हरितगृह ग्यास उत्सर्जन कम कैना महत्वपूर्ण योगदान पुगाइठ्, गोबर ओ अन्य जैविक फोहोरके उचित व्यवस्थापन हुइना हुइल ओरसे घरक सरसफाइमे समेत सुधार आइठ् ।" बेलौरी नगरपालिकासे आगामी आवमे फेन पशुपालन करुइया थप घरधुरीमे गोबरग्यास प्लान्ट विस्तार कैना योजना आघे सरले बा ।

डडेल्धुरा पूर्ण खोप सुनिश्चित

पहुरा समाचारदाता

डडेलधुरा, २९ असार । डडेलधुराहे पुनः पूर्ण खोप सुनिश्चित तथा दिगोपना जिल्ला घोषणा करल बा ।

जिल्ला पूर्ण खोप समन्वय समिति ओ स्वास्थ्य कार्यालय डडेलधुराके आयोजनामे शनिच्चरके आयोजित कार्यक्रममे जिल्लाहे पुनः पूर्ण खोप सुनिश्चित तथा दिगोपना जिल्ला घोषणा करल हो । स्वास्थ्य निर्देशनालय राजपुर, डोटीके जनस्वास्थ्य निरीक्षक मीनराज जोशी पूर्ण खोप सुनिश्चितता तथा दिगोपनाके प्रमाणपत्र जिल्ला पूर्ण खोप समन्वय समितिके संयोजक तथा जिल्ला समन्वय समिति प्रमुख गगनसिंह भण्डारी ओ स्वास्थ्य कार्यालय डडेलधुराके प्रमुख केशरबहादुर साउदहे हस्तान्तरण करल रहिट ।

स्वास्थ्य कार्यालय प्रमुख केशरबहादुर साउदके अनुसार डडेलधुरा पहिलचो २०७२ पुस १० गते पूर्ण खोप सुनिश्चितता तथा दिगोपना जिल्ला घोषणा हुइल रहे । ओट्ठनसे यहाँर हरेक बरस नियमित रूपमे खोप कार्यक्रम सञ्चालन हुइटी आइल बा । चालु आवमे आवश्यक प्रक्रिया पूरा कैके पुनः जिल्लाहे पूर्ण खोप सुनिश्चितता तथा दिगोपना जिल्ला घोषणा करल उहाँ बटैलै ।

सरकारके राष्ट्रिय खोप कार्यक्रम अन्तर्गत हाल १३ रोगविरुद्ध १४ प्रकारके खोप निःशुल्क उपलब्ध करैटी आइल बा । जिल्लाभर रहल १०६ खोप केन्द्रमार्फत प्रत्येक महिनाके २ से ८ गतेसम नियमित खोप सेवा सञ्चालन हुइटी आइल स्वास्थ्य कार्यालय प्रमुख केशर साउद जानकारी डेलै ।

२०८२ माघसे चैतसम करल घरधुरी सर्वेक्षणमे १५ महिनासमके दुई हजार १४५ बालबालिकामध्ये कौनो फेन शून्य डोजमे नैभेटल तथा ३१ जाने ड्रपआउट बालबालिका पहिचान करल उहाँ बटैलै । ओस्टके १६ से २३ महिनासमके एक हजार ३६९ बालबालिकामध्ये तीन जना शून्य डोज ओ ३४ जाने ड्रपआउट बालबालिका भेटल रहिट । उहाँ पहिचान हुइल सक्कु बालबालिकाहे राष्ट्रिय खोप तालिका अनुसार आवश्यक खोप लगाइलपाछे जिल्लाहे पुनः पूर्ण खोप सुनिश्चित कायम करल बटैलै ।

इ बरस सबसे पहिले आलीताल गाउँपालिकासे गत जेठ १९ गते ओ अन्तिममे अजयमेरु गाउँपालिकासे असार १३ गते पूर्ण खोप सुनिश्चित तथा दिगोपना घोषणा करल रहे । ओकरपाछे प्रदेशस्तरीय अनुगमन तथा प्रमाणीकरण प्रक्रिया (बाँकी ३ पेजमे)

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : राम दहित (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी
पहुना सम्पादक : कृष्णराज सर्वहारी
व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

सरकारसे मित्रराष्ट्रसँगके सम्बन्धमे असर पर्ना फिल्म प्रदर्शन अनुमति नैडेना

काठमाडौं, २९ असार । सरकारसे नेपालके सुरक्षा, शान्ति ओ व्यवस्था, मित्रराष्ट्रसंगके सु-सम्बन्धमे विरोध पर्ना कथावस्तुके फिल्महे मुलुकभिटर प्रदर्शन अनुमति नैडेना हुइल बा।

सूचना तथा सञ्चार मन्त्रालयअन्तर्गत श्रव्यदृश्य तथा प्रसारण शाखासे चलचित्र विकास बोर्डहे निर्देशनसहितके पत्र लिख्टी ओसिन खालके फिल्महे केन्द्रीय चलचित्र जाँच समितिसे प्रदर्शन अनुमति नैडेना जनाइल हो।

जाँच समितिसे जाँचके लाग सिफारिस कैना निकाय चलचित्र विकास बोर्डहे चलचित्र निर्माण, प्रदर्शन तथा वितरण ऐन २०२६ के दफा ८(३) के स्मरण कराइल बा।

उ दफामे कौनो चलचित्र वा ओकर कौनो भाग नेपालके सुरक्षा, शान्ति ओ व्यवस्था, मित्रराष्ट्रसंगके सु-सम्बन्धमे विरोध पर्ना देखलेसे ओसिन चलचित्रहे प्रदर्शन कैना चलचित्र जाँच समितिसे अनुमति नैडेना कहल बा।

यी प्रावधानहे पूर्ण रूपमे पालना करेपर्ना बटैटी मन्त्रालयसे चलचित्र जाँचपासके लाग प्राप्त हुइलेसे उ ऐनके दफा ८ (३) बमोजिम चलचित्र जाँच समितिसे अनुमति डेहे नसेक्ना व्यहोराबारे मन्त्रालय पत्रमे उल्लेख करले बा।

यीबारे निर्माता, वितरक ओ सरोकारवाला सक्कुहुनहे पत्राचार तथा आवश्यक समन्वय कैना समेत मन्त्रालय निर्देशन डेले बा।

गैल साता आलिया भट्ट अभिनित भारतीय फिल्म 'अल्फा'बारे विवाद हुइल पृष्ठभूमिमे मन्त्रालयसे यैसिन निर्णय करल हो। उ विवादमे सञ्चारमन्त्री विक्रम तिमल्सिना हस्तक्षेप करटी फिल्म प्रदर्शनके लाग अनुमति डेना कहले रहिट।

मन्त्रीसे हस्तक्षेप करलपाछे जाँच समिति पाछे हटटी वितरकहे प्रदर्शन अनुमति डेहल रहे। साथे, चलचित्र जाँच समितिमे यी बारे नम्मा छलफल हुइल रहे । यी बेला भर चलचित्र हेर्ना मन्त्रालयके प्रमुख शाखा प्रदर्शन अनुमति डेहे नैसेक्ना बटैले बा।

सरकारके यैसिन निर्णयके असरमे नेपालमे प्रदर्शन हुइना भारतीय फिल्महे हुइना डेखजाइठ। पछिल्का समय नेपालमे ढेर कमाइ कैना मध्ये अधिकांश भारतीय फिल्मके कथावस्तु पाकिस्तानविरोधी हुई परठ।

'एन्टी पाकिस्तानी' कन्टेन्टके कथावस्तुहे नेपालमे अघिल्का सेन्सर बोर्डसे सहजे स्वीकार करटी प्रदर्शनके लाग अनुमति डेना करल रहे । धुरन्धरके श्रृंखलासे भर्खरके अल्फासमके कथावस्तु पाकिस्तान विरोधी बटै।

पाकिस्तानविरोधी कथावस्तुके भारतीय फिल्महे मध्यपूर्वके मुलुकसे भर रोक लगैटी आइल बटै। ओइने बलिउडके धुरन्धरजैसिन स्पाइ जनराके फिल्महे रोक लगाइल रहिट। उहोर रोक लगाइलपाछे कतिपय दर्शक नेपाल आके फिल्म हेरल खबर उ बेला आइल रहिट। प्रधानमन्त्री बालेन शाह काठमाडौं महानगरके मेयर हुकेपे भारतीय फिल्मप्रति आक्रोशित रहिट। उहाँ उ बेला महानगरमे 'आदिपुरुष' फिल्मके प्रदर्शन रोक्न निर्देशन डेहल रहिट। उ बेला भारी विवाद निम्टल रहे।

संधियारको नाममा जारी ७ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर १ कटान स्थित कित्ता नं. ९२३ क्षेत्रफल १६०.८३ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री जनक सिंह विष्टले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले ७ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्वः रामसिंह धामी | पश्चिमः शेर सिंह ठगुन्ना
उत्तरः सडक | दक्षिणः धनबहादुर ऐर

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी ७ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ३ विशालनगर स्थित कित्ता नं. १४०७ क्षेत्रफल १६९.३१ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री मन्जु बम सिंह ठकुरीले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले ७ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्वः गोविन्द सिंह धामी | पश्चिमः शिवबहादुर खडायत
उत्तरः सडक | दक्षिणः नम्रता विष्ट

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

न्यायिक पुनर्जागरणके प्रस्थानविन्दु

विचार

ठाकुरप्रसाद बस्ताकोटी

नेपालके चालु १६ औं योजनसे मुद्दा कार्यान्वयन दरहे ६५ प्रतिशतसे ८० पुगैना लक्ष्य पूरा करना लक्ष्य रहल बा । न्यायपालिकाके चालु पाँचौं पञ्चवर्षीय रणनीतिक योजनासे सूचना प्रविधिमे आधारित न्याय सम्पादनके अवधारणाहे अंगीकार करटि हलिसे हलि ओ निष्पक्ष न्याय सम्पादनके सुदृढ आधार तयार करना लक्ष्य लेहल बा । सर्वोच्च अदालतके पूर्ण बैठकसे हाले न्यायपालिकाके सूचना तथा सञ्चार प्रविधि नीति, २०८३ फेन जारी होके प्रविधि ओ पारदर्शिताहे न्याय सम्पादनके अभिन्न पक्षके रूपमे स्वीकार करना मार्गदर्शन तयार पारल बा । प्रधान न्यायाधीश डा. मनोजकुमार शर्मा उपदमे नियुक्त हुइनाआघे संसदीय सुनुवाइके क्रममे सक्षम, शीघ्र ओ पारदर्शी न्याय सम्पादनके लाग सूचना प्रविधिके अधिक प्रयोगहे प्राथमिकता डेना प्रतिबद्धता करले रहैं । गैल जेठ ५ गते नेपालके ३३ औं प्रधान न्यायाधीशके रूपमे उहाँ राष्ट्रपतिसे नियुक्त हसइटिकिल सर्वोच्च अदालतमे सुनुवाइके क्रममे हुइना बहसके प्रत्यक्ष प्रसारणलगायत सूचना प्रविधिमैत्री परीक्षण सम्पन्न होके तहगत अदालतमे समेत यकर प्रयोग सम्बन्धमे प्रतिबद्धता अनुरूप पूर्वाधार तयारी आघे बहल बा । लोकतन्त्रके आधारस्तम्भके रूपमे स्वतन्त्र न्यायपालिकाके संवैधानिक साख अभिवृद्धि कैके न्याय, समानता ओ नागरिक अधिकारके प्रवर्धनके दिशामे न्यायिक पुनर्जागरण नानेक लाग भर अभिन ढेर युगीन कार्यके सूचीहे व्यवहारमे आत्मसात् करना पर्यावरणके निर्माण करना जरुरी बा ।

विसं १९९७ मे प्रधान न्यायालय कार्यपालिकासे अलग हुइलेसे नेपालके शक्ति संरचनामे शक्ति पृथकीकरणके व्यावहारिक अभ्यास सुरु हुइल मानजाइठ । विसं २००७ मे प्रजातन्त्रके अभ्युदयपाछ किल स्वतन्त्र न्यायालयके जग सुदृढ हुइल पाजाइठट । विशेष कैके प्रधान न्यायालय ऐन, २००८ जारी हुइलपाछे सर्वोच्च अदालत पञ्चायती कालरात्रि, संक्रमणकालीन अवस्था ओ खुला शासनके रूपमे बहुदलीय व्यवस्थाके पुनर्स्थापनापाछे फेन हुइल नागरिक अधिकारउप्परके नियन्त्रण विरुद्ध ओ न्यायके प्रवर्धनमे खेलल भूमिका अक्षुण्ण रहटि आइल बा । यी परम्पराहे सुदृढ बनैटि न्यायिक प्रक्रियाहे स्वच्छ, अनुमानयोग्य, सक्षम ओ सबल बनैना न्यायपालिकाके संस्थागत विकास, न्यायिक प्रक्रियाके विश्वसनीयता ओ न्यायिक जनशक्तिके लाग प्रचुर अवसरके विकास अब्बेक आवश्यकता हो ।

नेपालके संविधानके धारा १३६ प्रधान न्यायाधीशहे डेहल संवैधानिक जिम्मेवारी हेरलेसे उ प्रतिबद्धताके कार्यान्वयनसे न्यायाधीश नियुक्ति लगायतके क्षेत्रमे अनुमानयोग्यता ओ विश्वसनीयताके अभिवृद्धि हुइ सेक्ना बलगर संवैधानकि दायित्व प्रधान न्यायाधीशमे रहल बा । प्रधान न्यायाधीशसे भरोसायोग्य न्यायिक अभ्यासके लाग सक्षम न्यायमूर्तिके सुनिश्चितता हुइपरना ओ अदालतमे न्यायिक परीक्षण होसेकल न्यायाधीशके बाहुल्यके सुनिश्चितताके लाग सर्वोच्च ओ उच्च अदालतमे अपवादबाहेक न्यायाधीशमध्येसे नियुक्ति करना प्रतिबद्धता व्यक्त करले बटैं। तिनु तहके अदालतमे थप पद कुछ पद रिक्त रहल ओरसे ओकर लाग आधारशिला तयार करना अब्बे उपयुक्त अवसर हो । सर्वोच्चमे हाल रिक्त तीन न्यायाधीश ओ उच्च अदालतमे रिक्त मुख्य न्यायाधीशसहितके कुछ पदमे हुइना नियुक्ति प्रक्रिया यहोसे सुरु कैके सुधारके प्रस्थानविन्दु तय हुइ सेकि । सक्षम न्यायाधीशके नियुक्ति, सरुवा, अनुशासनसम्बन्धी कारबाही, बर्खास्ती ओ न्याय प्रशासनसम्बन्धी अन्य विषयके सिफारिस करना वा परामर्श डेना मूल संवैधानिक दायित्वके सुदृढीकरणके लाग न्याय परिषद् जैसिन निकाय यिहिनहे संस्थागत करना जरुरी बा ।

> विसं १९९७ मे प्रधान न्यायालय कार्यपालिकासे अलग हुइलेसे नेपालके शक्ति संरचनामे शक्ति पृथकीकरणके व्यावहारिक अभ्यास सुरु हुइल मानजाइठ । विसं २००७ मे प्रजातन्त्रके अभ्युदयपाछ किल स्वतन्त्र न्यायालयके जग सुदृढ हुइल पाजाइठट । विशेष कैके प्रधान न्यायालय ऐन, २००८ जारी हुइलपाछे सर्वोच्च अदालत पञ्चायती कालरात्रि, संक्रमणकालीन अवस्था ओ खुला शासनके रूपमे बहुदलीय व्यवस्थाके पुनर्स्थापनापाछे फेन हुइल नागरिक अधिकारउप्पर के नियन्त्रण विरुद्ध ओ न्यायके प्रवर्धनमे खेलल भूमिका अक्षुण्ण रहटि आइल बा । यी परम्पराहे सुदृढ बनैटि न्यायिक प्रक्रियाहे स्वच्छ, अनुमानयोग्य, सक्षम ओ सबल बनैना न्यायपालिकाके संस्थागत विकास, न्यायिक प्रक्रियाके विश्वसनीयता ओ न्यायिक जनशक्तिके लाग प्रचुर अवसरके विकास अब्बेक आवश्यकता हो ।
> नेपालके संविधानके धारा १३६ प्रधान न्यायाधीशहे डेहल संवैधानिक जिम्मेवारी हेरलेसे उ प्रतिबद्धताके कार्यान्वयनसे न्यायाधीश नियुक्ति लगायतके क्षेत्रमे अनुमानयोग्यता ओ विश्वसनीयताके अभिवृद्धि हुइ सेक्ना बलगर संवैधानकि दायित्व प्रधान न्यायाधीशमे रहल बा ।

लम्मा समयसम न्यायाधीश रिक्त नैहुइना मेरिक नियुक्ति प्रक्रिया संस्थागत हुइ नैसेकल टिट परम्पराके साक्षी हम्रे सब बटि । अइसिन अवस्था अन्त्य करना संरचनाके निर्माण करटि सर्वोच्च अदालतके न्यायाधीश सेवानिवृत्त हुइना एक महिनाआघे ओइसिन पदमे नियुक्तिके लाग सिफारिस करेपरना ओ उच्च अदालतके मुख्य न्यायाधीश ओ न्यायाधीश रिक्त हुइल तीन महिनाभित्रे रिक्त पदमे नियुक्त करेपरना न्याय परिषद ऐन, २०७३ व्यवस्था कार्यान्वयनके लाग न्यायके सरोकारवालाबिच सुदृढ पर्यावरण निर्माण आजके आवश्यकता हो । न्यायाधीशके सम्भावित उम्मेदवारके विवरण अद्यावधिक कैके अभिलेख ढरना दायित्व बोकल न्याय परिषद्हे स्वचालित पद्धतिमे आधारित करैना संस्थागत विकास करेपरना बा । यिहिनसे आगामी दिनमे उल्लिखित कानुनी प्रावधानके प्रभावकारी कार्यान्वयनके संस्कृति स्थापित करना सम्भव बा । सर्वोच्चसे समेत रिक्त न्यायाधीश पदमे समयमे पदपूर्ति करना अन्तरिम आदेश जारी हुइल अवस्थामे न्यायाधीश नियुक्ति प्रक्रियामे बलगर अल्पकालीन ओ दीर्घकालीन मापदण्ड विकास करना जरुरी बा ।

विगतमे न्याय परिषद्से सिफारिस होके नियुक्त हुइल न्यायाधीशके योग्यता नैपुगल कटि ओहे परिषद्से न्यायाधीश बर्खास्ती करे परल अवस्थासे हम्रे गुजरसेकल बटि । अइसिन अनुभवसे न्यायाधीश नियुक्तिआघे विचार पुगाइपरना ढेर बाट बा कना महसुस हुइठ । विगतके अनेक अभ्याससे शिक्षा ग्रहण करटि पारदर्शी नियुक्ति प्रक्रियाके सुदृढ मापदण्ड विकास करना संस्कृति निर्माणमे न्यायके सरोकारवालाके साझा प्रयत्न जरुरी बा। दीर्घकालीन रूपमे न्यूनतम संख्यामे उच्च अदालतमे समेत योग्यतातन्त्रमे आधारित प्रतिस्पर्धात्मक मापदण्ड अनिवार्य करना ओ जिल्ला अदालतसे न्याय सम्पादनमे संलग्न व्यक्तिके सन्तुलनहे सर्वोच्चसम सुनिश्चित करेपरना बा ।

हाल जिल्ला न्यायाधीश पृष्ठभूमिसे नियुक्त हुइल एक जे फेन न्यायाधीश सर्वोच्च अदालतमे नैरहल अवस्थासे हमार न्यायपालिका गुज्रल बा। जिल्ला न्यायाधीश न्यायिक नेतृत्वमे स्वाभाविक रूपमे पुगे नैसेकल संरचनात्मक अवस्था अन्त्य करना आजके आवश्यकता हो। विशेष कैके न्याय परिषद्हे संविधान संशोधनमार्फत न्यायाधीशबहुल संरचनाके रूपमे तयार करना तथा सर्वोच्च ओ उच्च अदालतके न्यायाधीशके नियुक्ति अपवादबाहेक न्यायिक परीक्षणसे खारल व्यक्तिसे हुइ परना सुदृढ जग बैठैना अब्बे उपयुक्त अवसर सिर्जना हुइल बा । विगतमे न्यायाधीश पदमे हुइल कुछ नियुक्तिके समेत पुनर्विचार करे सेक्ना अवस्था हो वा नाइहो कना विषयमे अब्बे हुइटिरहल मन्थनप्रति सरोकारवाला बिच चिन्तन हुइना वाञ्छनीय बा ।

न्यायपालिकाभित्तर ओर बाहिरके टमान अध्ययनसे बिचौलिया व्यवस्थापन ओ न्यायपालिकाप्रतिके जनआस्था अभिवृद्धिहे जोड डेटि आइल बा । विगतमे सर्वोच्च अदालत बार एसोसिएसन, हरिकृष्ण कार्की नेतृत्वसे डेहल प्रतिवेदनसमेतसे प्राप्त सुझाव कार्यान्वयन कैके लोकतन्त्रके आधारस्तम्भके रूपमे उपचारात्मक न्यायके स्तर अभिवृद्धि करना अब्बेक ध्यान केन्द्रित हइपरना बा । संविधान संशोधनमार्फत न्यायपालिकासँग सम्बन्धित टमान विषयके अध्ययनके लाग सर्वोच्चमे अब्बे छुट्टे अध्ययन समितिसे काम सुरु कैसेकल बा। आजके परिवेशमे उ समितिसे प्राप्त हुइना सुझाव यी दिशामे महत्वपूर्ण हुइना डेखाइठ मने न्यायाधीशहरूसे हुइना न्यायिक कामकारबाहीमे एकरूपता कायम करैना पारदर्शी, दक्ष ओ निष्पक्ष न्यायिक प्रक्रियाके सुनिश्चितता हुइना न्यूनतम वातावरण तयार करना न्यायपालिका सुधारके महत्वपूर्ण प्रस्थानविन्दु हुइ सेकि ।

कानुनके पालना ओ प्रयोगमे भेदभाव नैहुइना विगतसेके अपेक्षा पूरा हुइना अवस्था सिर्जना करना कानुन प्रयोग करना सार्वजनिक संस्थाके सुदृढीकरण अनिवार्य रहठ । शक्ति ओ पहुँचके आधारमे सार्वजनिक संस्थामे प्रभाव पारे सेक्ना अवस्थासे हम्रे न्याय वितरण प्रणालीहे गम्भीर असर परटि आइल बा । यकर अन्त्य करना अनेक स्वार्थ समूहके गठजोडहे नियन्त्रण करटि नियमनमुखी ओ सदाचारी कार्यशैलीके कठोर परिपालना आवश्यक बा । सार्वजनिक निकायके प्रयोगहे दोहन ओ निश्चित व्यक्ति वा समूहके स्वार्थ निवारणके लाग प्रयोग हुइ नैडेना न्याय प्रणालीहे समेत हलिसे हलि, सर्वसुलभ, मितव्ययी, निष्पक्ष, प्रभावकारी ओ जनउत्तरदायी बनैना साझा संकल्प करना यी उपयुक्त अवसर हो ।

राजनीतिक रूपमे शक्ति पृथकीकरणके अभ्यासहे हम्रे २००७ सालआघे से प्रयोग करलेसे फेन न्यायपालिकाके आर्थिक स्वायत्तताके प्रश्न भर अभिन फेन ओझलमे परटि आइल बा । (बाँकी, ३ पेजमे)

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।

नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।

प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एम्बुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८,
९८१४६०८०५६,
९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५
प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हुसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८
बैंक
नेपाल राष्ट्र बैंक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैंक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैंक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैंक०९१-५२३७३८
बैंक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैंक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैंक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैंक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैंक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैंक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैंक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६
सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०७
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५
अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुख्खड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२
होटल
डिमोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, विद्या०९१-५२३२७३
तरुण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७९९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२
शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३९९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९
राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४७१५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२
एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

राष्ट्रिय गौरवके आयोजना घटैना आयोगके प्रस्ताव

पहुरा समाचारदाता

काठमाडौँ, २९ असार । मुलुकके आर्थिक रूपान्तरण ओ समृद्धिके मेरुदण्ड मानल राष्ट्रिय गौरवके आयोजनाके संख्या कटौती करके ढेरमे १० ठो सीमित कैना राष्ट्रिय योजना आयोगसे सुझाव डेले बा ।

प्रतिनिधि सभाके अर्थ समितिके बैठकमे कार्यप्रगति विवरण प्रस्तुत करटी राष्ट्रिय योजना आयोगके सदस्यसचिव रविन्द्रलाल पन्थ पर्याप्त पूर्वतयारी बिना, राजनीतिक दबाब ओ हचुवाके भरमे गौरवके आयोजना घोषणा करेबेर उ आयोजना समयमे सम्पन्न हुई नैसेकल ओ वर्षौंसम अलपत्र पर्ना करल कहटी संख्या घटैना प्रस्ताव करल हुइट ।

राष्ट्रिय गौरवके आयोजनाके संख्या घटाके १० ठो मे सीमित कैना योजना आयोगके सुझाव

सदस्यसचिव पन्थसे अर्थ समितिके बैठकमे 'राष्ट्रिय गौरवके आयोजनामे डेखल समस्या ओ समाधानके उपाय' सम्बन्धी विस्तृत प्रस्तुतिकरण करल रहिट । उहाँ गौरव कैना लायक ओ जाटिक रणनीतिक महत्वके सीमित आयोजनाहे केल्ह यी सूचीमे समेटे पर्ना ओ बाँकीहे प्रदेश वा अन्य मन्त्रालय मातहत पठाईपर्ना धारणा रख्लै ।

उहाँ कहलै, 'पूर्वतयारी विना आयोजना घोषणा हुके समयमे सम्पन्न हुई नैसेकल । गौरव कैना लायक ओ जाटिक रणनीतिक महत्वके सीमित आयोजनाहे केल्ह राष्ट्रिय गौरवके आयोजनाके सूचीमे धारे परठ । ओकर लाग सख्या घटाके १० ठो मे सीमित धारे परठ ।'

साथे ५० प्रतिशतसे ढेर प्रगति हुइल आयोजनाहे पर्याप्त बजेट डेहे दुई वर्षभिटर सम्पन्न कैना ओ बाँकीके कार्यक्षेत्र पुनरावलोकन करेपर्ना बटैलै । हालसम घोषणा करल २७ ठो गौरवके आयोजनामध्ये जम्मा ४ ठो केल्ह निर्माण सम्पन्न हुइल बटै ।

सञ्चालनमे आइल मध्ये माथिल्लो तामाकोशी जलविद्युत् आयोजना, गौतमबुद्ध ओ पोखरा क्षेत्रीय अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थल तथा मेलम्ची खानेपानी आयोजनाके पहिल चरणके काम कुछ वर्ष आघे सम्पन्न हुसेकल बटै । बाँकी आयोजना निर्माणके चरणमे बटै कलेसे कुछ निर्माण प्रक्रियामामेत जाई सेकल नैहुइट ।

शून्यसे १० प्रतिशतसम प्रगति हुइल आयोजना

पूर्वतयारी ओ स्रोत सुनिश्चितता बिना हतारमे राष्ट्रिय गौरवमे समावेश करल नयाँ आयोजना भर प्रगति शून्य बा । विशेष करके नवघोषित खेलकुद पूर्वाधारके हविगत दयनीय डेखल बा । विराटनगरमे निर्माणाधीन गिरिजाप्रसाद कोइराला क्रिकेट रङ्गशाला जम्मा ०.१ प्रतिशत भौतिक प्रगति बा ।

ओस्टे, नम्मा समयसे चर्चामे रहल मूलपानी क्रिकेट एकेडेमी तथा रङ्गशालाके प्रगति जम्मा ७ प्रतिशतकेल्ह बा । चितवनमे बन्टी करल गौतमबुद्ध अन्तर्राष्ट्रिय क्रिकेट रङ्गशालाके प्रगति फे १०.५ प्रतिशतमे सीमित बा ।

दुसर ओर, मुलुकके ऊर्जा सुरक्षाके लाग सर्वाधिक रणनीतिक मानल ३ खर्ब ९८ अर्ब लागतके बुढीगण्डकी जलाशययुक्त जलविद्युत् आयोजना घोषणा हुइल एक दशक नाघेबेरसमेत जम्मा १० प्रतिशत भौतिक प्रगतिमे खुम्चल बा ।

मुआब्जा वितरणबाहेक अन्य पूर्वाधार निर्माण सुरु हुई नैसेक्के यी आयोजना नम्मा समयसे अन्योलमे बा । ओस्टे, काठमाडौँ उपत्यका थोक खानेपानी प्रसारण आयोजना (दुसरा) १०.५ प्रतिशत भौतिक प्रगतिमे अड्कल बा ।

अन्य आयोजनाके प्रगति कटरा ?

धार्मिक ओ सांस्कृतिक आयोजनामध्ये पशुपति क्षेत्र विकास कोष ९८.३ प्रतिशत भौतिक प्रगतिसहित सूचीके पहिल स्थानमे बा । निर्माण सञ्चालन हुइटी रहल यी आयोजनाके पूर्ण व्यवस्थापकीय काम अभिन टुङ्ग्यइना बाँकी बा ।

ओस्टे, सडक पूर्वाधारओर मध्यपहाडके लाइफलाइन मानल पुष्पलाल (मध्य पहाडी) लोकमार्ग ८२.९ प्रतिशत भौतिक प्रगति हासिल करटी दुसरा स्थानमे ठरहयाइल बा । पश्चिम तराईके कृषि क्षेत्रके लाग रणनीतिक मानल बबई सिँचाइ आयोजना ओ चिनियाँ नाका जोरना उत्तर दक्षिण कालीगण्डकी करिडोर लोकमार्ग दुनु ७८.७ प्रतिशत भौतिक प्रगति हासिल करले बटै । ओस्टे, रानी जमरा कुलरिया सिँचाइ (७४.८ प्रतिशत) ओ हुलाकी लोकमार्ग (७३.३५प्रतिशत) सम्पन्न हुइना दिशामे आघे बह्टी रहल डेखजाइठ ।

ओस्टे लुम्बिनी क्षेत्र विकास कोष ६८.३ प्रतिशत, भेरी बबई डाइभर्सन बहुउद्देश्यीय आयोजना ६५.० प्रतिशत, रेल वे तथा मेट्रो विकास आयोजना ५०.०९. प्रतिशत भौतिक प्रगति पुगल बा ।

ओस्टे ५० प्रतिशतसे कम प्रगति हुइलमध्ये सिक्टा सिँचाइ आयोजना ४७.५ प्रतिशत, काठमाडौँ–तराई–मधेस द्रुतमार्ग (फास्ट ट्र्याक) ४६.४ प्रतिशत, उत्तर दक्षिण (कोशी करिडोर) लोकमार्ग ४५.४ प्रतिशत, सुनकोशी मरिन डाइभर्सन बहुउद्देश्यीय आयोजना ३७.२ प्रतिशत, महाकाली सिँचाइ आयोजना २६.६, राष्ट्रपति चुरे संरक्षण कार्यक्रम १९.० प्रतिशत उत्तर दक्षिण (कर्णाली करिडोर) लोकमार्ग १७.२ प्रतिशत ओ विद्युत प्रसारण आयोजना (एमसीए नेपाल) ११.३ प्रतिशत बा ।

न्यायिक ...

न्यायपालिकाहे आवश्यक बजेट सम्बन्धमे स्वायत्तताके बहसहे व्यवहारमे रूपान्तरण कैके विगतके कमजोरीहे सच्यइना आवश्यक बा । न्यायाधीशहे न्याय सम्पादनके कार्यमे केन्द्रित कराके न्याय प्रशासन ओ न्याय सम्पादनहे अन्तर्राष्ट्रिय मान्यता अनुरूप पृथकीकरण करना फेन उचित बा । यकर लाग न्यायाधीश ओ न्यायिक कर्मचारीके हालके सेवा सुविधामे व्यापक पुनरवलोकन कैके अन्तर्राष्ट्रिय मान्यतामे आधारित करैना पे कमिसन गठन करना उचित रहठ । लम्मा समयसे आवश्यकता महसुस करल यी मागहे न्यायपालिका सुधारके लाग हुइल विगतके हुइल टमान अध्ययनसे फेन जोड डेले बा ।

न्यायपालिकामे मुद्दाके चाप बह्के यकर गुणस्तरीयता ओ न्यायिक कारबाहीमे लग्न समयके चापमे वृद्धि हुइल बा । हाल जैसिन फेन मुद्दा फेन दर्ता करना पद्धतिमे सुधार नन्ना न्याय प्रशासनके उचित सुदृढीकरण आवश्यक डेखाइठ कलेसे स्थानीय न्यायिक समिति ओ अर्धन्यायिक निकायमे न्यायिक जनशक्ति ओ पूर्वाधारके विकास करना तथा उ सम्बन्धमे न्यायिक विज्ञतासमेत अभिवृद्धि करना सार्थक प्रयास जरुरी बा । स्थानीय अदालतके स्थापनामार्फत नियमित अदालतमे मुद्दाके चाप कम करना व्यापक पूर्वाधार विकास करेपरना डेखाइठ ।

सूचना प्रविधिके विकासमार्फत अनलाइनसे मुद्दा दर्ता करना, साक्षी बुझ्ना, बहस पैरवी करना ओ तारिख लेनासमेतके कुछ प्रयासहे हम्रे प्रारम्भ करे सेक्ठि । पर्याप्त पूर्वाधार ओ तयारीके अभावमे यिहिनहे अपेक्षित गति लेहेसेक्ना नैडेखाइठ अइसिन आवश्यक पूर्वाधारके शीघ्र निर्माण करना जरुरी बा ।

सर्वोच्चमे मुद्दाके चाप नियन्त्रण करना जिल्ला अदालत ओ न्यायाधिकरणके मुद्दा उच्च अदालतमे पूर्ण इजलासके व्यवस्था कैके निश्चित मेरिक मुद्दा ओहे तहसे अन्तिम हुइना मेरिक व्यवस्था करना संविधान संशोधनके प्रारूप तयार करे सेक्जइ । अब्बे फेन न्यायपालिका, न्यायाधीश ओ न्यायिक नेतृत्वके विषयमे टमान भ्रम फैलाके नकारात्मक सन्देश प्रवाह करना क्रम रोकल नैहो । तुलनात्मक रूपमे वर्तमान प्रधान न्यायाधीश डा. शर्माके संविधानबमोजिमके पदावधि लम्मा हुइल ओरसे उहाँसँगके अपेक्षाके लाम फेन भारी बा । डा. शर्माके तीन दशकसे लम्मा कानुनी ओ न्यायिक विगत हेरना हो कलेसे यी अनुभव अप्नमे न्यायिक सुधारके दिगोपनके सुदृढ पृष्ठभूमि हो ।

दिगो न्यायिक पर्यावरणके सबलीकरणके लाग लोकतन्त्र, जवाफदेहिता ओ भुइँ तहके व्यक्तिके अधिकार संरक्षणके सुनिश्चितता हुइना संस्थागत विकास अनिवार्य बा । न्यायालयसे करल विगतसेके निरन्तरके अपन आदेश ओ फैसलासमेत कार्यान्वयन करना न्यूनतम वातावरणके समेत सुदृढीकरण कैके सामाजिक न्यायके संस्थागत आधारशिला तयार करना अवसर अब्बे न्यायपालिकासँग रहल बा ।

यकर लाग लोकतन्त्र प्रवर्धनमे न्यायालयसे थप संरक्षणकारी भूमिकामे अपनहे ढारल प्रयासहे आबके दिनमे और सबल बनैना निर्विकल्प उपाय हो । विगतमे जस्टे न्यायाधीश नियुक्तिके बखत प्रधान न्यायाधीश नियुक्ति करना पद्धतिमे सुधार नान्के अनुमानयोग्य ओ निष्पक्षतामे आधारित न्यायिक उत्तराधिकार प्रणालीके संस्थागत विकास हुइना अनिवार्य बा । यिहिनसे न्यायिक नेतृत्व निर्माणहे पारदर्शी, गतिशील ओ सुदृढ बनाके अनुमानयोग्य ओ प्रभावकारी न्याय प्रणाली निर्माण करे सेक्जाइ । आगामी दिनमे न्यायके वितरणमे भुइँ तहके व्यक्तिके पहुँच अभिवृद्धि करना न्यायिक प्रणालीहे सरल, प्रविधिमैत्री, प्रभावकारी ओ नागरिककेन्द्रित बनैना आवश्यक बा । यिहिनसे न्याय वितरणहे सुदृढ बनाके लोकतन्त्रके किरण भुइँ तहसम पुगैनाके विकल्प नैडेखाइठ ।

साभार: गोरखापत्र दैनिकसे

"लैङ्गिक समानताके लाग समान सोच ओ व्यवहार: समृद्धिके आधार"

अन्तर्राष्ट्रिय

चीनमे 'बाभी' आँधीके वितण्डा :

२० लाख मनै सुरक्षित स्थानमे सरलै

फिलिपिन्समे १७ के मृत्यु

एजेन्सी

ताइझोउ, २९ असार । चीनमे अक्के हप्ताभिटर दुसरा शक्तिशाली आँधी (टाइफुन) आइल बा । 'बाभी' नाम डेहल उ आँधीके जोखिमके कारण संकटग्रस्त क्षेत्रसे झन्डे २० लाख मनैनहे सुरक्षित स्थानमे सारल बा ।

फ्रान्सके चौडाइजत्रो अर्थात् अपन सबसे फरछवार भागमे १,००० किलोमिटर क्षेत्र ओगटल यी आँधी शनिच्चर साँझ तटीय सहर ताइझोउमे ठोकल रहे । उ पाछे मध्यरातओर यि वेन्झोउमे दुसरा चो अवतरण करल रहे ।

जापानके विकट टापुमे विनाश मच्चाइलपाछे यी आँधी ताइवानके उत्तरी छेउ हुइटी आघे बह्ल रहे, जेकर कारण ताइवानमे भारी वर्षा हुइटी रहे । यि आघे आँधीके कारण फिलिपिन्समे पहिरो जाके कम्तीमे १७ जानेक मृत्यु हुइसेकल बा । हाल यी आँधी कमजोर हुके तीव्र उष्णकटिबंधीय आँधीमे परिणत हुइलेसेफे यकर वर्षाके घेराभिटर अत्यधिक ओस रहल कारण अभिनफे जोखिम कायमे बा ।

उत्तर–पश्चिमओर आघे बह्टी जाके यकर तीव्रता बिस्तारे कम हुइना अनुमान करल बा । चिनियाँ सरकारी सञ्चारमाध्यमके अनुसार अँटवार सकारे आँधीके केन्द्र जेजियाङ प्रान्तके हाङ्झोउ सहरमे पुगल रहे । मौसमविद्के अनुसार यी आँधी सोम्मार पूर्वी अनहुई ओ मंगर सान्दोङ प्रायद्वीपसे उत्तरी यलो सीओर लग्ना बा ।

आँधीके कारण जेजियाङ प्रान्तमे १७ लाखसे ढेर ओ छिमेकी प्रान्तमे हजारौँ मनैहने सुरक्षित स्थानमे सारल बा । जेजियाङमे विद्यालय, कामकाज ओ बाहिरी गतिविधि बन्द करल बा कलेसे ४०० उडान ओ दर्जनौँ रेल सेवा रद्द हुइल बटै ।

करिब १ करोड जनसख्या रहल वेन्झोउ सहर आँधीके मार्ग लग्गे रहल ओरसे वहाँक लाखौँ बासिन्दाहेफे स्थानान्तरण करल बा । बेइजिङसे जोखिमसे बाँचेक लाग १ लाख मनैनहे सुरक्षित स्थानमे सर्ना आदेश डेहल रहे ।

'बाभी' सुरुमे शक्तिशाली सुपर टाइफुनके रूपमे देखा परल रहे, जे गैल सोम्मार २९० किलोमिटर प्रतिघण्टाके गतिके हावासहित गुआम ओ उत्तरी मारियाना टापुमे प्रहार करल रहे । प्रशान्त महासागर हुइटी आघे बहैना क्रममे यकर गति १४४ किलोमिटर प्रतिघण्टामे कमजोर हुइल रहे ।

ओकरपाछे यी जापानके मुख्य टापु ओ ताइवानके विचमे रहल ऱ्युसक्यु टापु शृत्लाके साकिसिममा टापुमे प्रहार करल रहे, जहाँ कम्तीमे पाँच जाने घाहिल हुइलै ओ हजारौँ मनै बिजुलीविहीन बन्लै ।

ताइवानमे यी प्रत्यक्ष प्रहार नैकरलेसेफे भारी वर्षापाछे पहिरोके जोखिम बह्ल कारण हजारौँ मनै अपन घर छोरना बाध्य हुइल रहिट । यी दुनु देशमे हालसम केत्रोफे मृत्यु हुइल खबर नैहो ।

ताइवानके अधिकारीसे 'बाभी' से १ मिटरसम वर्षा ल्याने सेक्ना चेतावनी डेले रहिट । यी क्षेत्रभर दर्जनौँ उडान रद्द हुइल बटै कलेसे विद्यालयसे कक्षा स्थगित करले बटै । बासिन्दासे खाद्यान्न ओ आवश्यक सामग्री भण्डारण करे लागलपाछे सुपरमार्केटके तखता खाली हुइल बा ।

दक्षिण चीनके कुछ भाग यिहे हप्ताके सुरुमे आइल 'मायसाक' आँधीके विनाशसे अभिन तङ्रिन सेकल नैहो । 'मायसाक' के कारण कम्तीमे ३९ जानेक मृत्यु हुइल रहे कलेसे भारी सख्यामे चौपाया मरल कारण कृषि क्षेत्रभे भारी क्षति पुगल रहे । यिहीसे केन्द्रीय हुबेई प्रान्तमे दुई ठो दुर्लभ घुम्रपात (टर्नेडो) समेत निम्त्याइल रहे ।

डढेलो तथा लूबाट जोगिऔं र जोगाऔं ।

❖ सुख्खायाम तथा पतझरको समयमा डढेलो लाग्न सक्छ,
❖ डढेलोले मानिस, वन्यजन्तु र पर्यावरणमा गम्भीर असर पार्न सक्छ,

डढेलोबाट जोगिन

❖ जथाभावीरूपमा वन तथा जङ्गल क्षेत्रमा आगो नबालौं,
❖ सुक्खा घाँस पातजस्ता ज्वलनशील वस्तु सुरक्षितरूपमा व्यवस्थापन गरौं,
❖ चुरोट, बिडी, आगोका झिल्का भएका वस्तु जथाभावी नफालौं,
❖ डढेलोविरुद्द समुदायस्तरमा सचेतना फैलाऔं,
❖ डढेलो देखिएमा तत्काल सम्बन्धित निकायमा जानकारी गराऔं,

वन जोगाउ र वातावरण संरक्षणमा योगदान दिऔं ।

• गर्मी बढेसँगै तातो हावा (लू) सुरु भएको छ । अतिआवश्यक काम बाहेक घरबाट ननिस्कौं । निस्किने भए छाताको प्रयोग गरौं र बढी झोलिलो पदार्थ र पानीको प्रयोग गरौं ।

कैलारी गाउँपालिका
गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय
कैलाली

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

• उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
• सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
• मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
• छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
• ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
• सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

डा. सुमन चौधरी
MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार
ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.
(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी–५) सम्पर्क नं. ०९१–५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

कञ्चनपुरमे सर्पदंश केन्द्रमे नैहो उपचार

पहुरा समाचारदाता

कञ्चनपुर, २९ असार । कञ्चनपुरमे सर्पदंश उपचारके लाग स्वीकृति पाइल अस्पतालमे उपचार नैहोके बिरामी अन्यत्र जैना बाध्य रहल बटै ।

स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालयसे सर्पदंश उपचारके लाग स्वीकृति लेके यहाँके अस्पतालसे भेन्टिलेटर ओ चिकित्सक अभाव होके विषालु साँप, बिच्छी, खजुरो तथा अन्य जीवके दंशसे पीडितके उपचारके लाग अन्यत्र रेफर कैटी आइल बटै ।

दोधारा चाँदनी नगरपालिका–६ स्थित दोधारा चाँदनी अस्पतालसे स्वास्थ्य विभागसे सर्पदंशके उपचारके लाग तीन बरस पहिले अनुमति पाइल रहे मने साँपनके कटाइसे पीडितके उपचार भर सम्भव नैहुइल अस्पतालके जनस्वास्थ्य निरीक्षक भीमबहादुर साउद बटैलै ।

उहाँ कहलै, "जनशक्ति ओ भेन्टिलेटर नैहोके बिरामीहे अन्यत्र रेफर करे पर्ना बाध्यता रहल बा ।" दोधारा चाँदनी अस्पतालमे चालु आर्थिक बरसमे ६५ जाने विषालु जीवसे काटल बिरामी उपचारके लाग पुगल रहिट मने ओइनहे प्राथमिक उपचारपाछे थप उपचारके लाग महाकाली प्रादेशिक अस्पतालमे रेफर करल जनस्वास्थ्य निरीक्षक साउद बटैलै ।

दोधाराके स्थानीय सरस्वती विक स्थानीयस्तरमे उपचार नैकैके करिब ३५ किलोमिटर यात्रा कैके महेन्द्रनगरस्थित महाकाली प्रादेशिक अस्पतालमे उपचारके लाग जाइ परल गुनासो करले बटै ।

छ बरस पहिले सर्पदंश उपचारके लाग स्वीकृत लेहल बेलौरीस्थित श्रीपुर स्वास्थ्य केन्द्रमे फेन प्रभावकारी उपचार हुइ सेकल नैहो । यहाँ भेन्टिलेटर ओ चिकित्सक अभावसे पीडितहे धनगढीस्थित सेती प्रादेशिक अस्पतालमे रेफर करे पर्ना बाध्यता रहल स्वास्थ्य केन्द्रके इन्चार्ज गोविन्द विष्ट बटैलै ।

चालु आर्थिक बरसके ११ महिनामे श्रीपुर स्वास्थ्य केन्द्रमे विषालु साँपनके कटाइसे एक महिला ओ दुई पुरुष कैके तीन जाने भर्ना हुइल रहिट ।

ओस्टके विषरहित साँपनके टोकाइसे स्वास्थ्य केन्द्रमे पुगल आठ महिला ओ पाँच पुरुषके सामान्य उपचारपाछे ओइनहे घर घुममाइल विष्ट बटैलै । उहाँ केन्द्रमे आवश्यक उपकरण ओ जनशक्ति अभावसे उपचार सम्भव नैरहल स्पष्ट परलै ।

यहाँके कृष्णपुर नगरपालिका–५ स्थित कृष्णापुर स्वास्थ्य चौकी भर आगामी आवके सावनसे सर्पदंशके उपचार सुरु कैना जनाइल बा । यकर लाग आवश्यक उपकरण व्यवस्थापनके कार्य हुइटी रहल स्वास्थ्य चौकीके सहसंयोजक दीपक खड्का बटैलै । हाल इ क्षेत्रमे पीडित अर्जुनीस्थित सर्पदंशमे उपचार करैटी आइल बटै ।

शुक्लाफाँटा नगरपालिकास्थित सर्पदंश उपचार सेवा केन्द्र, अर्जुनीमे चालु आव २०८२/८३ के हालसम विषालु सर्पदंशसे तीन महिला ओ बिच्छीके दंशसे पीडित ३२ जनहनके उपचार करल बा ।

अर्जुनीके मेडिकल प्राविधिक डम्बर कुँवरके अनुसार अविषालु साँपनके कटाइसे उपचारके लाग आइल ३७ महिला ओ १५ पुरुष सहित ५२ जनहनके उपचार करल बा । ओस्टके अन्य किरा वर्ग नैखुलल् दंशसे पीडित १७ महिला ओ नौ पुरुषके फेन उपचार करल उहाँ बटैलै । अर्जुनीमे विषालु सर्पदंशसे पीडित तीन जनहनहे महाकाली अस्पताल रेफर करल जनाइल बा ।

महाकाली प्रादेशिक अस्पताल पाछेक समय सर्पदंश उपचारके लाग प्रभावकारी बन्टी गैल बा मने हाल पाँचठो किल आइसियु बेड उपलब्ध रहल ओरसे पीडितहे अन्यत्र पठाजैना करल अस्पतालके प्रवक्ता डा. अर्जुन भट्ट बटैलै । उहाँ कहलै, "यद्यपि कोरोनाकालयहोर भर बिरामीहे अन्यत्र पठाइल नैहो ।"

हाल महाकाली प्रादेशिक अस्पतालमे विषालु साँप कोब्रा ओ करेतके कटाइसे पीडित उपचार करे अइना करल उहाँके कहाइ रहल बा । साँप काटसेकलमे सर्वप्रथम नैअँट्याके तथा जटरासेक्लेसे हाली अस्पताल पुगैना उहाँ आग्रह करलै ।

कोब्रा साँपनके कटाइमे एक घण्टामे लक्षण डेखैना तथा करेत साँप काटलमे छ घण्टासम लक्षण डेखैना हुइल ओरसे समयमे उपचार कैना जरुरी रहल डा. भट्ट बटैलै । चालु आवमे महाकाली प्रादेशिक अस्पतालमे पाँच बरस टरेक दुई जाने तथा पाँच बरस उप्परके ६१ महिला ओ ५६ पुरुष सहित ११७ पीडितके उपचार करल बा ।

डडेलधुरा ....

पूरा हुइलपाछे जिल्लास्तरीय घोषणा करल कार्यालय प्रमुख साउद जानकारी डेलै । कार्यक्रममे जिल्ला समन्वय समिति प्रमुख तथा जिल्ला पूर्ण खोप समन्वय समितिके संयोजक गगनसिंह भण्डारी पूर्ण खोप सुनिश्चित सक्कु सरोकारवालाके साझा प्रयासके परिणाम हुइल बटैलै । उहाँ स्वस्थ आमा ओ बालबालिकाके स्वास्थ्य सुरक्षाके लाग खोप सबसे प्रभावकारी माध्यम रहल ओरसे यकर निरन्तरता आवश्यक रहल उल्लेख करलै ।

बाघके आक्रमणसे एक जाने घाहिल

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २९ असार । कञ्चनपुरमे बाघके आक्रमणसे एक महिला घाहिल हुइल बटी ।

प्रहरीके अनुसार बेलडाँडी गाउँपालिका–५ झिलमिला बैठना धनादेवी उपाध्याय बाघके आक्रमणमे परके घाहिल हुइल हुइट ।

उपाध्याय अँटवार साँझ शुक्लाफाँटा बनुवामे घाँस काटे गैल बेला बाघके आक्रमणमे परल प्रहरी जनैले बा । उहाँक उद्धार करके उपचारके लाग धनगढीके माया मेट्रो अस्पताल पुगाइल बा । उपाध्यायके माया मेट्रो अस्पतालमे उपचार हुइटी रहल बा ।

महाकाली पक्की पुलमे गाइडबण्ड पुनर्निर्माण

पहुरा समाचारदाता

कञ्चनपुर, २९ असार । कञ्चनपुरके महाकाली लडियामे नेपाली सेनासे निर्माण करटी रहल चार लेनके पक्की पुलके ड्याम (गाइडबण्ड) के सैनिक मुख्यालयके उच्च तहके पदाधिकारी बिफेक रोज स्थलगत निरीक्षण करले बटै ।

मनसुनके समयमे महाकाली लडियामे बारह् आके हुइ सेक्ना सम्भावित विपद् न्यूनीकरण करक लाग नेपाली सेनासे कुछ समयहोर भीमदत्त नगरपालिका–१२ स्थित महाकाली लडियाके गाइडबण्ड पुनर्निर्माणहे तिव्रता डेहल हो ।

बिफेक रोज नेपाली सेनाके युद्धकार्य निर्देशनालयके युद्धकार्य निर्देशक मनोज थापासहितके उच्चस्तरीय सैनिक टोलीसे पुनर्निर्माण हुइटी रहल गाइण्डबण्डके प्रगतिबारे जानकारी लेहल रहिट ।

निरीक्षणमे श्री नं २५ बाहिनी अडडाके बाहिनीपति सहायकरथी बिजितराज रेग्मी, रणसिंह दलके गणपति प्रमुख सेनानी प्रकाश घिमिरे ओ बराहदलके गुल्मपति सेनानी अशोक शाही सहभागी रहल रहिट । सेना ओ सडक भिडिजन कार्यालयके प्रमुखसहितके टोलीहे वर्षात् सुरु होसेकल ओरसे पुनर्निर्माणहे तीव्रता डेना निर्देशन डेहल बा ।

महाकाली पुलके उत्तर ओर पर्ना गाइडबण्डसहितके संरचना बारह्से बचाइक लाग गैल बरस फेन सरकारसे तीन महिनाके लाग उक्त क्षेत्रहे 'सङ्कटग्रस्त क्षेत्र' घोषणा कैके सेनाहे जिम्मा डेहल रहे । गैल बरस आइल बारह्से करिब ३०० मिटर गाइडबण्ड क्षति पुगाइलपाछे तत्कालीन समाधान कैके तटीय क्षेत्रमे बारह्के बेला हुइ सेक्ना सम्भावित क्षति तथा विपद् न्यूनीकरण कैना सेनाहे जिम्मेवारी डेहलपाछे अब्बे उ क्षेत्रमे चार सयसे ढेर सेना कार्यरत रहल बटै ।

तीन सय मिटर गाइडबण्ड पुनर्निर्माण करे पर्नामे हालसम ८० प्रतिशतसे ढेर काम ओराइल नेपाली सेनाके श्री नं २५ बाहिनी अडडा भगतपुर ब्यारेक जनैले बा । सेनाके जनशक्ति सहयोग ओ सडक डिभिजन कार्यालयके व्यवस्थापकीय सहयोगमे गाइडबण्ड बन्टी रहल बा ।

नेपाली सेनासे वर्षातके बेला उ क्षेत्रमे हुइ सेक्ना सम्भावित क्षति न्यूनीकरणके लाग नेपाली सेनाहे सरकारसे पुनर्निर्माणके लाग आग्रहपाछे सैनिक टोली यहाँ खटल जनाइल बा । श्री नं २५ बाहिनी अडडाके अनुसार आयोजनास्थलमे तत्कालके क्षति न्यूनीकरण कैके थप क्षति हुइ नैडेना, चार लेनके पुल संरक्षण तथा तटीय क्षेत्रके बस्ती बचाइक लाग पुनर्निर्माणहे तीव्रता डेले बा ।

नेपाली सेनासे उक्त पुनर्निर्माणके संयोजनके जिम्मेवारी सेनाके ओरसे श्री नं २५ बाहिनी अडडाके बाहिनीपति सहायकरथी रेग्मीहे डेहल बा ।

चार लेनमे बन्टी रहल पुलके ९५ प्रतिशत निर्माण ओरैलेसे फेन गाइडबण्डके नयाँ डिजाइन स्वीकृति ओ भेरियसन अर्डर (भिओ) के विषय अन्यौल हुइलपाछे निर्माण कम्पनी कामसे गत बरससे बाहर हुइल रहे ।

फरार एक जाने प्रतिबादी पक्राउ

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २९ असार । फैसला कार्यान्वयनके सिलसिलामे जिल्ला अदालत कैलालीके फैसलासे सजाय तोकल एक जाने पक्राउ परल बटै । अपहरण/बन्धक मुद्दामे ६ बर्ष कैद सजाय तोकरल गौरीगंगा न.पा.३ कुचैनी बैठना बर्ष ३३ के जित बहादुर चौधरीहे इलाका प्रहरी कार्यालय चौमाला, कैलालीसे खटल प्रहरी हुकाने घर ठेगानसे अँटवारके रोज पक्राउ करल हो ।

लामखुट्टेको टोकाइबाट बचौं र बचाऔं

- घर वरिपरि पानी जम्न नदिऔं,
- सुत्दा अनिवार्य रूपमा झुल/मच्छरदानी प्रयोग गरौं,
- लामखुट्टेबाट बच्न पूरा शरीर ढाकिने कपडा लगाऔं,
- घर तथा वातावरण सफा र स्वच्छ राखौं,
- झ्याल–ढोकामा जालीको प्रयोग गरौं,
- डेंगु, मलेरिया जस्ता रोगका लक्षण देखिएमा तुरुन्त स्वास्थ्य संस्थामा जाऔं,
- फोहोर व्यवस्थापनमा ध्यान दिई लामखुट्टे बढ्न नदिऔं,
- समुदायस्तरमा सरसफाई अभियान सञ्चालन गरौं ।

सचेतना र सरसफाई नै सुरक्षित जीवनको आधार हो ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

डढेलो तथा लूबाट जोगिऔं र जोगाऔं ।

- सुख्खायाम तथा पतझरको समयमा डढेलो लाग्न सक्छ,
- डढेलोले मानिस, वन्यजन्तु र पर्यावरणमा गम्भीर असर पार्न सक्छ,

डढेलोबाट जोगिन

- जथाभावीरूपमा वन तथा जङ्गल क्षेत्रमा आगो नबालौं,
- सुक्खा घाँस पातजस्ता ज्वलनशील वस्तु सुरक्षितरूपमा व्यवस्थापन गरौं,
- चुरोट, बिडी, आगोका झिल्का भएका वस्तु जथाभावी नफालौं,
- डढेलोविरुद्ध समुदायस्तरमा सचेतना फैलाऔं,
- डढेलो देखिएमा तत्काल सम्बन्धित निकायमा जानकारी गराऔं,

वन जोगाउ र वातावरण संरक्षणमा योगदान दिऔं ।

- गर्मी बढेसँगै तातो हावा (लू) सुरु भएको छ । अतिआवश्यक काम बाहेक घरबाट

भजनी नगरपालिका
४ नम्बरको कार्यालय

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अव सर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

Provide Health Related Services

सेवाहरू:
- मधुमेह(सुगर)
- थाइराइड रोग
- पेट,मुटु तथा छातिरोग
- कलेजो रोग
- TB, हेपाटाइटिस रोग
- ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- मोटोपना

डा. अकाश राउत
MBBS, MD (TU), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304
➤ आउने समय : प्रत्येक दिन (२४सै घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।*

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१–५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९